क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति



पूर्व मध्य रेल

यात्री सेवा एवं विकास के लिए सदा तत्पर

पूर्व मध्य रेल

क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति

के

सदस्यों का

हार्दिक अभिनंदन करता है।

हाजीपुर

जून 20, 2012

पूर्व मध्य रेल
क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य
अवधि 01.12.2011 से 30.11.2013तक

क्रम सं0	नाम एवं पता	संवर्ग	संस्थान
1.	श्री कुमुद वर्मा ए–15/1667, कल्याणी नगर, मित्रा मंडल कालोनी, साकेत बिहार, अनीसाबाद, पटना दूरभाष – 0612–2252584 मो0 – 9835052496	महाप्रबंधक के विशेष रुचि	महाप्रबंधक के विशेष रुचि
2.	श्री डी. के. जैन साकेत, जी.वी.रोड, गया दूरभाष – 0631–2222555 मो0 – 9431224555	पैसेंजर एसोशिएसन	ग्रैण्ड कार्ड पैसेंजर एसोशिएसन, गया
3.	डॉ अनूप कुमार केडिया बसेरा, 101–ए, गोसाईबाग, टेकारी रोड, गया दूरभाष – 0631–22222348 मो0 – 9430056396	प्रोट्टक्सन फोरम	पैसेंजर राईटस प्रोट्टक्सन फोरम, गया
4.	डॉ कौश्लेन्द्र प्रताप राठौर भवन, बैक ऑफ बड़ौदा कैम्पस, उतर मखलौटगंज,गया दूरभाष – 0631–2222348 मो0 – 9835269891	चेम्बर ऑफ कामर्स	सेन्ट्रल बिहार चेम्बर ऑफ कामर्स, गया
5.	डॉ संजीव अग्रवाल खड़ग नारायण रोड, अरबिंद शोभा मेमोरियल डेन्टल अस्पताल, मुगेरीगंज, बेगुसराय दूरभाष – 06243–243064 मो0 – 9430564301	पैसेंजर एसोशिएसन	नॉर्थ बिहार रेलवे पैसेंजर एसोशिएसन, बेगुसराय

6.	श्री राजीव शर्मा तिवारी मार्केट, बैंक मोड़, धनबाद दूरभाष – 0326–2305538 मो0 – 9431121451	चेम्बर ऑफ कामर्स	धनबाद जिला चेम्बर ऑफ कामर्स, धनबाद
7.	श्री मोती लाल छापड़िया सुतापटटी, मुजफ्फरपुर दूरभाष – 0621–2245247 मो0 – 9430444937	चेम्बर ऑफ कामर्स	नॉर्थ बिहार चेम्बर ऑफ कामर्स, मुजफफरपुर
8.	श्री संजय सांरगपुरी जिला स्कुल के सामने, मो. अगरवा, मोतिहारी मो0 – 9473018177	रेल मंत्री के विशेष रुचि	रेल मंत्री के विशेष रुचि
9.	श्री पवन कुमार सुरेका मारवाड़ी स्कुल रोड, दरभंगा दूरभाष – 06272–222567 मो0 – 9934060161	चेम्बर ऑफ कामर्स	बिहार चेम्बर ऑफ कामर्स, पटना
10.	मो0 मेराज अख्तर दाना फुलवरिया–3, नया टोला, पो.– बरौनी, था.–फुलवरिया, जिला– बेगुसराय मो0 – 9304870391 9525813144	रेल मंत्री के विशेष रुचि	रेल मंत्री के विशेष रुचि
11.	श्री मंयकेश्वर सिंह मु–श्री कृष्णा नगर, पो.+था.– मोतिहारी मो0 – 9811195489	रेल मंत्री के विशेष रुचि	रेल मंत्री के विशेष रुचि
12.	श्री मनीष कुमार सुभाषनगर, गली न.–7, पो. डालमीयानगर, था– डिहरी, जिला– रोहतास मो0 – 9334950704	रेल मंत्री के विशेष रुचि	रेल मंत्री के विशेष रुचि

13.	श्री विक्रम पाण्डेय मेन रोड फुसरो, पो– फुसरो बाजार, जिला– बोकारो मो0 – 9431128604	रेल मंत्री के विशेष रुचि	रेल मंत्री के विशेष रुचि
14.	श्री पं. राजेश शुक्ला टिल्लु हिरानंद शाह की गली, चौक पटना सिटी, पटना दूरभाष – 0612–2642111 मो0 – 9431014654	रेल मंत्री के विशेष रुचि	रेल मंत्री के विशेष रुचि
15.	श्री विनोद गुप्ता स्व0 शिव शंकर प्रसाद वार्ड नं. 19, गोला रोड, पी ओ एंव जिला– समस्तीपुर मो0– 9471042677	डी.आर.यू.सी.सी. के प्रतिनिधि	समस्तीपुर
16.	श्री हरि प्रकाश केजरीवाल रिलायंस एजेन्सी, गोसांईबाग, टेकारी रोड, गया जिला – गया मो0–	डी.आर.यू.सी.सी. के प्रतिनिधि	मुगलसराय
17.	श्री दुर्गेश कुमार राय द्वारा– श्री मिथलेश कुमार उर्फ भीम सिंह ग्राम –पो0 –मेयारी जिला – समस्तीपुर मो0– 9431425177	डी.आर.यू.सी.सी. के प्रतिनिधि	सोनपुर

पूर्व मध्य रेल के विभागाध्यक्ष

श्री वरुण भरथुआर – महाप्रबंधक सह अध्यक्ष / जेड.आर.यू.सी.सी.

श्री ए. के. झा – उप महाप्रबंधक (सा.) सह सचिव / जेड.आर.यू.सी.सी.

मुख्यालय

कम सं0	नाम	पद
1.	श्री अजय शुक्ला	अपर महाप्रबंधक
2.	श्री आर.के.सिंह	मुख्य विद्युत इंजीनियर
3.	श्री ए.के. मित्तल	मु.प्र.अधिकारी / निर्माण / उ0
4.	श्री जी. एस. तिवारी	मु.प्र.अधिकारी / निर्माण / द0
5.	श्री दीपक नाथ	मुख्य परिचालन प्रबंधक
6.	श्री दीपक छावड़ा	मुख्य वाणिज्य प्रबंधक
7.	श्री रतन कुमार	प्रमुख मुख्य इंजीनियर
8.	श्री डी.कैमिला	मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर
9.	श्री संजय कुमार	मुख्य सुरक्षा आयुक्त
10.	श्री एस. गांगुली	मुख्य सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर
11.	श्री बी. राय	वित्तसलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी
12.	श्री राजेन्द्र सिंह	भंडार नियंत्रक
13.	श्री जे. एस. पी. सिंह	मुख्य कार्मिक अधिकारी
14.	डा0 पी.एस. प्रसाद	मुख्य चिकित्सा निदेशक
15.	श्री बी.पी.गुप्ता	वरीय उप महाप्रबंधक
16.	श्री मो. औबेस	मुख्य संरक्षा अधिकारी
17.	श्री अमिताभ प्रभाकर	मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी
18.	श्री विनम्र मिश्रा	महाप्रबंधक के सचिव

मंडल

19.	श्री आर. एल. गुप्ता	मंडल रेल प्रबंधक / सोनपुर
20.	श्री सत्य प्रकाश त्रिवेदी	मंडल रेल प्रबंधक / समस्तीपुर
21.	श्री एल.एम.झा	मंडल रेल प्रबंधक / दानापुर
22.	श्री सुधीर कुमार	मंडल रेल प्रबंधक / धनबाद
23.	श्री अनूप कुमार	मंडल रेल प्रबंधक / मुगलसराय

पूर्व मध्य रेल : एक परिचय

जिला – वैशाली, हाजीपुर – 844101
(बिहार)

भारतीय रेल के नवसृजित क्षेत्रीय रेलों में से एक पूर्व मध्य रेल की स्थापना 01 अक्टूबर, 2002 को हुई। इसके अंतर्गत 05 मंडल आते हैं यथा– सोनपुर, समस्तीपुर, दानापुर, मुगलसराय एवं धनबाद। पूर्व मध्य रेल के पास 3623.326 रुट किलोमीटर एंव 5229.384 ट्रेक किलोमीटर का वृहतम नेटवर्क है जो मुख्यतया बिहार, झारखंड के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के कुछ भागो में फैली हुई है।

वर्ष 2011–12 में परिसम्पत्ति, अधिग्रहण, निर्माण एवं प्रतिस्थापन

योजना परिव्यय (करोड़ में)

	2010–11	2011–12
नई लाइन (निर्माण)	419	312.40
खराब लाइनों का पुनर्निमाण	40	40
आमान परिवर्तन	52	....
दोहरीकरण	119.80	....
रेल पथ सुविधा, यार्ड पुर्ननिर्माण एवं अन्य	89.15	42.99
कंप्यूटरीकरण	10.44	09.86
चल स्टॉक	8.60	06.37
पुल कार्य	19.73	61.64
सड़क संरक्षा	106.806	171.64
रेल पथ नवीकरण	320.00	270.00
सिगनलिंग एवं दूरसंचार कार्य	62.49	66.56
अन्य विद्युतीय कार्य	14.50	07.35
मशीन एवं संयंत्र	06.00	10.00
उत्पादन इकाई सहित कारखाना	443.03	393.24
यात्री सुविधाएँ	102.34	83.93
भंडार सस्पेंश	448.64	709.90
निर्माता सस्पेंश	70.63	190.74
अन्य वर्गीकृत कार्य	12.34	31.96
कुल	2345.896	2408.68

वर्ष 2011–12 के लिए योजनाएँ

रेल ने वर्ष 2011–12 में पूर्व मध्य रेल को कैपिटल निवेश के लिए रू. 2408.68 करोड़ आवंटित किया था। प्रमुख निवेश शीर्षों में रू. 393.24 करोड़ उत्पादन इकाई सहित कारखाना संबंधी कार्य हेतु शामिल है, जो कुल योजना निवेश का लगभग 16.35 % है। नई लाइन (निर्माण) एंव सड़क संरक्षा को भी उच्च प्राथमिकता देते हुए इस शीर्ष में रू. 484.04 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो कुल योजना निवेश का लगभग 20 % है।

रूट किलोमीटर एवं विद्युतीकरण

गेज	रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर	कुल ट्रैक किलोमीटर
बी.जी. एवं एम.जी.	3623.326	5229.384	8852.71

सामग्री वार माल–भाड़ा लक्ष्य

सामग्री	2011–2012 (आँकड़े मिलियन टन में)
कोयला	89.40
पी. ओ. एल.	01.35
आरएमएसपी	00.35
सीमेन्ट	02.00
एफजी	00.37
अन्य	04.60
कुल	98.00

पूर्व मध्य रेल ने वितिय वर्ष 2011–12 मे 94.68 मिलियन टन माल लदान किया जो कि पिछले वर्ष की तुलना मे 7.4 प्रतिशत अधिक है। साथ ही आय मे 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी, जो हमारे रेल द्वारा किसी भी वितिय वर्ष से सर्वोतम प्रदर्शन है।

मंडल

दानापुर, धनबाद, मुगलसराय, समस्तीपुर एवं सोनपुर

कारखाना

- समस्तीपुर कारखाना/समस्तीपुर
- इंजीनियरिंग एवं पुल कारखाना/मुगलसराय
- फ्लश बट वेल्डिग प्लांट/मुगलसराय
- ट्रैक मशीन शॉप/मुगलसराय

दानापुर मंडल

दानापुर, बिहार

भारत सरकार द्वारा ईस्ट इंडियन रेलवे के अधिग्रहण के पश्चात 1 जनवरी 1925 को दानापुर मंडल अस्तित्व में आया। झाझा और मुगलसराय के बीच मेन लाईन का निर्माण ईस्ट इंडियन रेलवे द्वारा 1862 ई. में कराया गया था। इसके पश्चात किऊल–गया और पटना–गया लाईन इसमें शामिल किए गए। 1978 में दानापुर मंडल का विभाजन दानापुर और मुगलसराय मंडल के रूप में किया गया।

सेवित क्षेत्र

दानापुर मंडल द्वारा बिहार के 10 जिले और उत्तर प्रदेश के 02 जिले सेवित हैं। इसका विस्तार मुगलसराय से (मुगलसराय स्टेशन छोड़कर) झाझा, पटना से गया (गया स्टेशन छोड़कर), फतुहा से इस्लामपुर, बख्यिारपुर से तिलैया, हाथीदा से राजेन्द्रपुल, किऊल से मानपुर (मानपुर स्टेशन छोड़कर) और दिलदारनगर से ताड़ीघाट तक है।

रूट किलोमीटर तथा विद्युतीकरण

		विद्युतीकरण	
रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर	रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर
781.841	1587.417	1271.27	1324.75

यात्री स्टेशन/हॉल्टों की संख्या :

जंक्शन स्टेशन	:	09
ब्लॉक स्टेशन	:	74
हॉल्ट स्टेशन	:	130
फ्लैग स्टेशन	:	15

सेवित उद्योग

भारत वैगन (मोकामा) और विभिन्न स्थलों के एफ.सी.आई के गोदाम इस मंडल द्वारा सेवित हैं।

गुड्स शेड

फतुहा, जमुई, किऊल, लखीसराय, जहानाबाद, आरा, वारसलीगंज, बिहारशरीफ, बक्सर, दानापुर, मोकामा, शेखपुरा और तिलैया ।

धनबाद मंडल

धनबाद, झारखंड

सेवित क्षेत्र :

झारखंड में धनबाद, हजारीबाग, राँची, बोकारो, कोडरमा, पलामू, लातेहार, गढ़वा और गिरिडीह, बिहार में नवादा और गया, उत्तर प्रदेश में सोनभद्र और मध्य प्रदेश में सिंगरौली जिला।

रूट किलोमीटर तथा विद्युतीकरण

		विद्युतीकरण	
रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर	रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर
866.840	2384.73	598.00	1526.00

यात्री स्टेशन/हॉल्टों की संख्या :

जंक्शन स्टेशन	:	07
ब्लॉक स्टेशन	:	88
हॉल्ट स्टेशन	:	30

सेवित उद्योग

बी.सी.सी.एल., सी.सी.एल एवं एन.सी.एल. के कोलफिल्ड, टिस्को का वेस्ट बोकारो कोल वाशरी, टिस्को का चासनाला कोलियरी, सी.टी.पी.एस., बी.टी.पी.एस, ए.टी.पी.एस., ओ.टी.पी.एस, पी.टी.पी.एस, एस.एस.टी.पी.पी., वी.एस.टी.पी.पी. और आर.एच.एस.टी.पी.पी. के पावर हाउस, सिन्दरी स्थित ए.सी.सी. सीमेंट फैक्टरी, रेणुकूट स्थित हिंडालकों, रेणूकूट स्थित कानोरिया केमिकल्स, गढ़वा रोड स्थित बिड़ला केमिकल, जे.पी.सीमेंट,सलाइवना तथा जिंदल स्टील पतरातु।

गुड्स शेड

धनबाद, हजारीबाग रोड, कोडरमा, राँची रोड, बरकाकाना, डाल्टेनगंज, टोरी, रिचुगुटा, सिंगरौली, बिल्ली, महदईया, पतरातु एंव भुड़कुण्डा।

समस्तीपुर मंडल

समस्तीपुर –848101
बिहार

सेवित क्षेत्र :

समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, दौरम मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, पूर्णियां, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, खगड़िया और अररिया।

रूट किलोमीटर तथा विद्युतीकरण

गेज	रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर
बी.जी.	652.12	652.12
एम.जी.	363.88	363.88

यात्री स्टेशन/हॉल्टों की संख्या :

जंक्शन स्टेशन	:	09
ब्लॉक स्टेशन	:	98
हॉल्ट स्टेशन	:	67
फ्लैग स्टेशन	:	18

सेवित उद्योग

यह मंडल मुक्तापुर जूट मिल, हरिनगर चीनी मिल, नरकटियागंज चीनी मिल एंव हसनपुर चीनी मिल को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

गुड्स शेड

लहेरियासराय, दरभंगा, सीतामढी, रक्सौल, मोतिहारी, बेतिया, चकिया, सहरसा, कॉटी, थलवारा, खजौली, हरिनगर, नरकटियागंज, हसनपुर एंव दौरम मधेपुरा।

मुगलसराय मंडल

मुगलसराय – 232101
उत्तर प्रदेश

मानपुर–मुगलसराय सेक्शन इस महाद्वीप का व्यवस्तम माल परिवहन करने वाला ग्रैंड कॉर्ड के नाम से विख्यात रेल मार्ग का एक भाग है। मुगलसराय–हावड़ा मार्ग पर सोन नदी पर 3 किलोमीटर लंबा बृहत्तम रेल सेतु है। 1878 ई. में स्थापित रेलवे इंटर कॉलेज, मुगलसराय एक प्राचीनतम शैक्षणिक संस्था है।

सेवित क्षेत्र :

बिहार में कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद एवं गया, झारखंड में पलामू और उत्तर प्रदेश में वाराणसी जिला।

रूट किलोमीटर तथा विद्युतीकरण

विद्युतीकरण			
रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर	रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर
415.045	856.315	308.3	748

यात्री स्टेशन/हॉल्टों की संख्या :

जंक्शन स्टेशन	:	05
ब्लॉक स्टेशन	:	43
हॉल्ट स्टेशन	:	29

सेवित उद्योग

यह मंडल डेहरी–ऑन–सोन स्थित कल्याणपुर सीमेंट तथा पायराइट्स एण्ड फासफेट लिमिटेड को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

गुड्स शेड

मानपुर, गया, अनुग्रहनारायण रोड, सोननगर, नबीनगर, रफीगंज, डेहरी–ऑन–सोन, सासाराम, भभुआ रोड, मुगलसराय माल प्रचालन टर्मिनल हैं।

सोनपुर मंडल

सोनपुर – 841101
बिहार

सेवित क्षेत्र :

बिहार का छपरा (सारण), वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगुसराय, भागलपुर, खगड़िया और कटिहार जिला।

रूट किलोमीटर तथा विद्युतीकरण

विद्युतीकरण			
रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर	रूट किलोमीटर	ट्रैक किलोमीटर
469.683	992.465	150.525	315.345

यात्री स्टेशन/हॉल्टों की संख्या :

जंक्शन स्टेशन	:	06
ब्लॉक स्टेशन	:	54
हॉल्ट स्टेशन	:	24
फ्लैग स्टेशन	:	05

सेवित उद्योग

यह मंडल मुजफ्फरपुर के निकट कांटी विजली उत्पादन निगम लि0, बरौनी के निकट बरौनी थर्मल पावर स्टेशन, ऑयल रिफाइनरी बरौनी, मुजफ्फरपुर स्थित भारत वैगन इंजीनियरी लिमिटेड, एफ.सी.आई.साईडिंग एंव वी.पी.सी.एल. साईडिंग को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

गुड्स शेड

सोनपुर, सराय, नारायणपुर अनंत, कपूर्री ग्राम, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया, मानसी, नवगछिया, कुर्सेला एंव सेमापुर।

यात्री सुविधाओं एवं परिचालन से संबंधित कुछ महत्तवपूर्ण तथ्य

- पूर्व मध्य रेल पर 121 कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र हैं।
- पूर्व मध्य रेल पर 329 स्टेशनों पर यू.टी.एस. उपलब्ध हैं।
- पूर्व मध्य रेल पर 48 स्टेशनों पर यू.टी.एस. सह पी.आर.एस. उपलब्ध हैं।
- पूर्व मध्य रेल के टेकारी पोस्ट ऑफिस मे इंडियापोस्ट पी.आर.एस खोला गया है।
- पूर्व मध्य रेल पर 2009–10 में प्रतिदिन लगभग 240 माल गाड़ियॉ चली थी और 2010–11 में करीब 260 मालगाड़ियाँ प्रतिदिन चली हैं एंव 2011–12 में करीब 275 मालगाड़ियाँ प्रतिदिन चली हैं।
- पूर्व मध्य रेल में माल लदान भारतीय रेल के कुल माल लदान का 10 प्रतिशत है।
- पूर्व मध्य रेल में 2011–12 मे 86.204 मिलियन टन कोयला का लदान किया गया है।
- पूर्व मध्य रेल ने 2011–12 मे 94.675 मिलियन टन माल लदान किया जो एक रेकार्ड है। पूर्व मध्य रेल में 2012–13 के मई तक 17.138 मिलियन टन माल लदान किया गया है। जब कि कोयले का लदान 15.391 मिलियन टन था।

यात्री भीड़–भाड़ का निपटान

अतिरिक्त कोच

पूर्व मध्य रेल में विभिन्न श्रेणियों में 2011–2012 में कुल 3070 अतिरिक्त कोच लगाये गये, जब कि 2012–13 मे मई माह तक कुल 398 अतिरिक्त कोच लगाये जा चुके है।

अतिरिक्त सीटें/बर्थ

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़–भाड़ का निपटान करने हेतु 2011–2012 में लगभग 1,87,730 अतिरिक्त सीटें/बर्थ की व्यवस्था की गई। 2012–13 मे मई माह तक लगभग 27,850 अतिरिक्त सीटें/बर्थ की व्यवस्था की गई।

विशेष रेलगाड़ियाँ

पूर्व मध्य रेल द्वारा ग्रीष्मकाल, विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा, उर्ष पर्व एवं श्रावणी मेला के अवसर पर 2011–12 मे 42 विशेष रेलगाड़ियों के द्वारा 493 फेरे लगाये गये। 2012–13 के मई माह तक 21 विशेष रेलगाड़ियों के द्वारा 72 फेरे लगाये गये।

सवारी गाड़ी के परिचालन की महत्तवपूर्ण विशेषताएं

	विवरण	पूर्व मध्य रेल की स्थापना से
1.	नई गाड़ियों का आरंभ	153 जोड़ी
2.	गाड़ी सेवाओं का विस्तार	82 जोड़ी 02 एकल
3.	गाड़ियों के फेरों में वृद्धि	31 जोड़ी
4.	विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ियों का ठहराव	546 जोड़ी 48 एकल
5.	नये हाल्ट	101

यात्री विवरण

	2011–12	2012–13 अप्रैल से मई माह तक
प्रतिदिन यात्रियों की औसत संख्या	7.36 लाख	08.04 लाख
उपनगरीय	शून्य	शून्य
गैर–उपनगरीय	7.36 लाख	08.04 लाख
यात्रियों की कुल संख्या	26.93 करोड़	04.90 करोड़
उपनगरीय	शून्य	शून्य
गैर–उपनगरीय	26.93 करोड	04.90 करोड

यात्री आय

अन्तर (रू. करोड़ में)

वर्ष	यात्री आय	विगत वर्ष के इस अवधि की आय मे अन्तर
2010–11	1327.50	91.49 (7.41 %)
2011–12	1475.80	148.30 (11.17 %)
2012–13 (अप्रैल'12 से मई '12)	280.35	30.57 (12.24 %)

माल–भाड़ा आय

अन्तर (रू. करोड़ में)

वर्ष	माल–भाड़ा आय	विगत वर्ष के इस अवधि की आय मे अन्तर
2010–11	5543.64	665.82 (13.94 %)
2011–12	6352.13	908.49 (16.69 %)
2012–13 (अप्रैल'12 से मई '12)	1448.31	433.35 (42.70 %)

सकल आय

अन्तर (रू. करोड़ में)

वर्ष	सकल आय	विगत वर्ष के इस अवधि की आय मे अन्तर
2010–11	6892.59	782.71 (12.81 %)
2011–12	7965.32	1072.73 (15.57 %)
2012–13 (अप्रैल'12 से मई '12)	1745.69	466.97 (36.97 %)

यात्री वृद्धि

(आंकड़े करोड़ में)

वर्ष	वार्षिक	
	यात्रियो की कुल संख्या	गत वर्ष से अन्तर (% मे)
2010–11	24.74	–0.77
2011–12	26.93	08.86
2012–13 (अप्रैल'12 से मई '12)	04.90	08.41

यात्री सुविधाओं पर किया गया व्यय

वर्ष	व्यय
2008–09	23.29 करोड़
2009–10	33.17 करोड़
2010–11	36.35 करोड़
2011–12	32.77 करोड़

माल–भाड़ा तुलनात्मक लदान

(मिलियन टन में)

शीर्ष	2010–11	2011–12	2012–13 (अप्रैल'12 से मई '12)
कोयला	80.086	86.204	15.391
अन्य सामग्री	08.050	8.471	1.747
कुल	88.136	94.675	17.138
गत वर्ष से वृद्धि	11.34 %	7.42 %	10.52 %

सफाई

यह पूर्व मध्य रेल का उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। इसकी मॉनिटरिंग मुख्यालय स्तर पर अपर महाप्रबंधक एवं मंडल स्तर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा की जाती है।

- स्टेशनों पर सफाई के स्तर को बढाने के लिए 'ए–1' श्रेणी के 03, 'ए' श्रेणी के 21, 'बी' श्रेणी के 27, 'डी' श्रेणी के 12 एंव 'ई' श्रेणी के 17 स्टेशनों पर सफाई की जिम्मेवारी निजी एजेंसियों को दी गयी है।

- पूर्व मध्य रेल पर सफाई कार्य के पर्यवेक्षण के लिए सफाई निरीक्षक के 31 पदो के अतिरिक्त 40 नये पद स्वीकृत किये गये है। साथ ही सफाई पर्यवेक्षक के पूर्व के 16 पदो के अतिरिक्त 17 नये पदो की स्वीकृति की प्रकिया चल रही है।

- क्लीन ट्रेन सर्विस योजना के अंतर्गत बरौनी एंव मुगलसराय स्टेशनों से गुजरने वाली कमशः 23 एंव 70 ट्रेनों के दरवाजे एंव शौचालयों के अतिरिक्त वातानुकूल कोचों की खिड़कियो के शीशे की सफाई की जाती है।
- पूर्व मध्य रेल की 21 जोड़ी ट्रेनों मे ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग योजना के अंतर्गत सफाई कार्य का ठेका निजी एजेंसियों को प्रदान किया गया है।

- पूर्व मध्य रेल के 61 स्टेशनों पर पे एण्ड यूज शौचालयों की व्यवस्था की गयी है जिनमे 07 स्टेशनों (गया, मुगलसराय, धनबाद, पटना, राजेन्द्रनगर टर्मिनल, हाजीपुर एंव मुजफ्फरपुर) पर पे एण्ड यूज शौचालयों के अतिरिक्त डिलक्स शौचालयों की भी व्यवस्था की गयी है। पी.पी.पी. मॉडल पर पे एण्ड यूज शौचालय खोलने हेतु योजना विचाराधीन है।

- कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को बल प्रदान करने एवं इस अभियान को सफल बनाने के लिए रेल उपयोगकर्ताओं से और सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है।

- 11 स्टेशनों (पटना जं ,धनबाद, रक्सौल, बेतिया, सीतामढी, बापुधाम मोतिहारी, सुगौली, पारसनाथ,सकरी एंव जयनगर) के प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, वाशेवल एप्रॉन आदि की सफाई के लिए मेकानाइज्ड क्लीनिंग का ठेका निजी एजेंसियों को प्रदान किया गया है।

- 33 स्टेशनों पर रैग पिकिंग कॉन्ट्रेक्ट के तहत ठेका निजी एजेंसियों को दिया गया है।
- 32 स्टेशनों पर गार्बेज डिस्पोजल कॉन्ट्रेक्ट के तहत ठेका निजी एजेंसियों को दिया गया है।

न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था

पूर्व मध्य रेल में स्थित 681 स्टेशनों में न्यूनतम बुनियादी सुविधा उपलब्ध है।

विकलांग व्यक्तियों के लिए सुविधाएं

- 'ए–1' एवं 'ए' श्रेणी के सभी स्टेशनों पर उपलब्ध हैं।
- 'बी' श्रेणी के 18 स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध है एंव 19 स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध कराने की योजना पर काम चल रहा है।

24–कोच की लम्बाई वाले प्लेटफार्म

- लम्बी गाड़ियो को चलाने के लिए पूर्व मध्य रेल के कुल 66 स्टेशनो को विस्तारित कर 24 कोच क्षमता का बना दिया गया है।

वर्ष 2011–12 मे यात्री सुविधाओं से संबंधित कुछ महत्तवपूर्ण तथ्य

- पूर्व मध्य रेल द्वारा 26 स्टेशनों पर यू.टी.एस. की सुविधा प्रदान किया गया जिसमे मुगलसराय मंडल मे 11, समस्तीपुर मंडल मे 13 एंव सोनपुर मंडल मे 02 शामिल है।
- सोनपुर मंडल के अर्न्तगत नारायणपुर एंव गोरौल स्टेशन पर 02 यू.टी.एस. सह पी.आर.एस. की सुविधा चालू किया गया।
- धनबाद मंडल के अर्न्तगत गोमो एंव तेलो स्टेशनो के मध्य कोचागोड़ा नया हॉल्ट स्टेशन दि. 30.09.2011 से यात्रीयों के लिए खोला गया।
- दानापुर मंडल के अर्न्तगत शेखपुरा स्टेशन पर दि. 20.01. 2012 से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग पुछताछ काउन्टर चालू कर दिया गया है।
- पूर्व मध्य रेल के अर्न्तगत बापुधाम मोतिहारी (समस्तीपुर मंडल) एंव हजारीबाग (धनबाद मंडल) स्टेशनो पर ट्रेन इडिंकेशन बोर्ड की सुविधा प्रदान कर दी गयी है।
- पूर्व मध्य रेल के अर्न्तगत समस्तीपुर मंडल के सीतामढी एंव मधुबनी स्टेशनो पर कोच गाइडेंस प्रणाली की सुविधा प्रदान किया गया है।
- सोनपुर मंडल के अर्न्तगत दलसिंहसराय स्टेशन के डाउन प्लेटफॉर्म को विस्तार कर 24 कोच वाले ट्रेन के लम्बाई के अनुकूल किया गया है।
- समस्तीपुर मंडल के अर्न्तगत नरकटियागंज, बेतिया एंव बापुधाम मोतिहारी स्टेशनो पर 03 टच स्कीन मशीन लगाया गया है, जिससे यात्री पीएनआर एंव ट्रेन से संबधित अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पूर्व मध्य रेल

क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की प्रस्तावित उप–विधि

1.0 प्रस्तावना :

1.1 रेल उपयोगकर्ता का बेहतर एवं प्रभावी प्रतिनिधित्व प्राप्त करने, पूर्व मध्य रेल प्रशासन और उपयोगकर्ताओं के बीच इस रेल द्वारा प्रदत्त सेवा से सम्बन्धित मामलों पर परामर्श के अधिक अवसर उपलब्ध कराने एवं सेवा की दक्षता में सुधार हेतु पूर्व मध्य रेल के प्रधान कार्यालय, हाजीपुर में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति बनाई गई है, (जिसे अब से जेड.आर.यू.सी.सी. कहा जाएगा) साथ ही दानापुर, धनबाद, मुगलसराय, समस्तीपुर एवं सोनपुर के मंडल मुख्यालयों में पाँच डी.आर.यू.सी.सी. भी गठित की गई है।

1.2 क्षे.रे.उ.प.स. का उद्देश्य : जेड.आर.यू.सी.सी. के गठन का उद्देश्य स्टेशनों और गाड़ियों दोनों पर यात्री–सुविधाओं को रेलवे उपयोगकर्ताओं के लिए यथासंभव लाभदायक बनाने के लिए सदस्यों के परामर्श से जनमत प्राप्त करने का प्रावधान करना, और इस प्रकार रेलवे प्रशासन को जनमत और आवश्यकता के अनुरूप पूर्णतः सही एवं शीघ्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना है ताकि रेलवे के पास उपलब्ध संसाधनों का सही दिशा में अधिकतम उपयोग हो सके और बिना अतिरिक्त खर्च के अधिक वांछित काम पूरा किया जा सके।

2.0 समिति का गठन :

2.1 जेड.आर.यू.सी.सी. में इस रेलवे द्वारा सेवित राज्य क्षेत्र में सामान्य रेलवे उपयोगकर्ताओं के प्रतिनिधित्व हेतु माननीय रेल मंत्री द्वारा नामित व्यक्ति शामिल होंगे जिसे नीचे दर्शाया गया है :–

2.1.1 (क) केवल 10 संसद सदस्य (07 लोक सभा और 03 राज्य सभा) नामित किए जाएंगे।

(ख) जेड.आर.यू.सी.सी. में प्रत्येक केन्द्रीय मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र जो पूर्व मध्य रेल सेवित क्षेत्र में स्थित हो प्रतिनिधित्व हेतु उनके द्वारा नामित व्यक्ति।

2.1.2 इस रेलवे द्वारा सेवित राज्य सरकारों द्वारा अनुशंसित प्रत्येक विधान मंडल का एक सदस्य।

2.1.3 इस रेलवे द्वारा सेवित प्रत्येक राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि, जैसा कि उस सरकार द्वारा अनुशंसित हो।

2.1.4 प्रमुख चेम्बर ऑफ कामर्स के अधिक से अधिक पांच प्रतिनिधि तथा/या जिस व्यापार संघ का स्थायित्व पांच साल से कम न हो।

2.1.5 राज्य सरकार अथवा सरकारी कृषि संगठन एवं अन्य निकायों के दो से अधिक प्रतिनिधि नहीं, जो उपर्युक्त 2.1.4 में उल्लिखित चेम्बर आफ कामर्स से संबद्ध या शामिल नहीं है।

2.1.6 रेलवे के क्षेत्र में कार्यरत प्रत्येक एक या दो पंजिकृत यात्री संगठनों का एक प्रतिनिधि।

2.1.7 "विशेष हित" (स्पेशल इन्टरेस्ट) के रूप में प्रतिनिधित्व करने के लिए रेलवे के महाप्रबंधक की सिफारिश पर नामित एक सदस्य।

2.1.8 माननीय रेल मंत्री द्वारा "विशेष हित" (स्पेशल इन्टरेस्ट) के रूप में नामित आठ सदस्य।

2.1.9 रेलवे के क्षेत्र में कार्यरत उपयोगकर्ता संरक्षण स्वैच्छिक संगठन (कंज्यूमर प्रोटेक्शन वालन्टरी आरगेनाइजेशन) का एक प्रतिनिधि।

2.1.10 इस रेलवे के प्रत्येक मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति से चुने हुए एक गैर सरकारी प्रतिनिधि।

2.2 जिन व्यक्तियों के पास रेलवे से जुड़े मुनाफे का कार्यभार जैसे खानपान एवं बिकी ठेकेदारों आउट एजेन्सी ठेकेदारों, हैंडलिंग ठेकेदारों, इन्जीनियरिंग ठेकेदारों सहित ट्रैवलिंग एजेंसियॉ अथवा वे, जो मालगोदाम पार्सल कार्यालयों आदि के साथ दिन–प्रतिदिन के काम में घनिष्ट और सीधे जुड़े हैं, जैसे फारवडिंग एजेंटों आदि क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति एवं राष्ट्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामशदात्री परिषद की सदस्यता के लिए अयोग्य हैं।

2.2.1 यदि किसी सदस्य को विशेष हित की कोटि के अन्तर्गत मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति और क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति दोनों के लिए नामित किया जाता है तो उस व्यक्ति की सदस्यता केवल एक ही समिति अर्थात मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति में ही मान्य होगी तथा क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति से उनका नामांकन रद्द कर दिया जाना चाहिए।

2.3 पूर्व मध्य रेल क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति में निम्नलिखित राज्य होंगे – 1. बिहार, 2. उत्तर प्रदेश 3. झारखंड और 4. मध्य प्रदेश

2.4 महाप्रबंधक समिति के अध्यक्ष होगें तथा उप महाप्रबधंक (सा.), पूर्व मध्य रेलवे समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

2.5 उद्योग, वाणिज्य और व्यापार का प्रतिनिधित्व करने वाले क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य महत्तवपूर्ण स्थानीय चैम्बरों या प्रमुख व्यापार हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघो से सामान्यतया लिए जाते हैं जिसे संबंधित राज्य सरकारों का अनुमोदन प्राप्त होता है। चैम्बर्स तथा/या संघो और अन्य के प्रतिनिधित्व के संबंध में माननीय मंत्री महोदय से अनुमोदन प्राप्त हो जाने के पश्चात उक्त संगठनो को उनका/उनके प्रतिनिधि/प्रतिनिधियों के नाम नामित करने की सलाह दी जाएगी। यह उक्त चैम्बरों/संघ के विवेक पर है कि प्रतिनिधियों का चुनाव गुप्त मतदान द्वारा हो या किसी अन्य तरीके से।

2.6 क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का गठन एक निश्चित अवधि के लिए किया जाएगा जो इसके गठन की तिथि से दो वर्षो से अधिक नहीं होनी चाहिए।

2.7 सदस्यों का वर्गीकरण

2.7.1 सरकारी सदस्य, राज्य सरकारों, सार्वजनिक उपकमों तथा अर्द्ध सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि "सरकारी सदस्यों" की कोटि में आएंगें।

2.7.2 गैर सरकारी सदस्य :. उपर्युक्त पैरा 2.7.1 में दिये गए सदस्यों के अलावा बाकी सभी सदस्यों को सभी प्रयोजन के लिए गैर सरकारी सदस्य समझा जाता है।

3.0 कार्य संबंधी शर्तें:

3.1 प्रधान कार्यालय स्थित क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति इस रेलवे द्वारा सेवित सीमा क्षेत्र के अंतर्गत सामान्य रेल उपयोगकर्ता का प्रतिनिधित्व करेगी और निम्न से संबंधित मामलों पर विचार कर सकती है :—

3.1.1 रेलवे द्वारा सेवित क्षेत्र में यात्री या मालभाड़ा से संबंधित सुविधाओं का प्रावधान।

3.1.2 समिति के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत नए स्टेशनों के खोले जाने के संबंध में प्रस्ताव।

3.1.3 समय सारणी संबंधी व्यवस्थाएं।

3.1.4 रेलवे द्वारा दी जाने वाली सेवाओं में सुधार।

3.1.5 सामान्य लोकहित या सार्वजनिक सुविधा या सुविधाओं से जुड़े ऐसे मामले जो उपयोगकर्ता के प्रतिवेदन का विषय रहा हो, से संबंधित कोई विषय।

3.2 मंडल समितियों के रिपोर्टों से उत्पन्न मामले या ऐसे अन्य मामले जो उपर्युक्त मद (3.1.1 से 3.1.5) में उल्लिखित विषयों से संबंधित हैं, जो विशेष रूप से मंडल समितियों द्वारा विचारार्थ अग्रसारित किए जाते हैं।

3.2.1 प्रशासन रेल मंत्रालय अथवा राष्ट्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (एन. आर. यू. सी. सी.) की रिपोर्ट और विचारार्थ भेजे गए मामले।

3.2.2 रेलवे दरों (भारिक शुल्क को छोड.कर) और किराए से संबंधित मामले एवं कर्मचारी से संबंधित मामले, अनुशासनात्मक कार्यवाही और नियुक्ति आदि से संबंधित प्रश्न समिति के समक्ष विचारार्थ नहीं लाए जाएंगे।

3.3 इन नियमों के तहत गठित क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की प्रकृति पूर्णतः परामर्शदात्री ही होगी।

4.0 समिति की बैठक :

4.1 एक वर्ष में तीन बैठकें आयोजित की जाएगी।

4.2 किसी विषय में सूचना जिसे कोई सदस्य विचार के लिए करना चाहते हों, वे बैठक के निर्धारित तिथि के न्यूनतम 45 (पैतालिस) दिन पहले समिति के सचिव के पास अवश्य भेज दें। फिर भी, अत्यावश्यक विषयों पर अध्यक्ष की अनुमति/सहमति से विचार–विमर्श किया जा सकता है।

4.3 समिति की बैठक आयोजित करने के लिए कोई निर्धारित क़ोरम नहीं है।

5.0 चुनाव :

5.1 प्रत्येक अवधि के लिए रा.रे.उ.प.स. (एन.आर.यू.सी.सी.) में प्रतिनिधि भेजने के लिए गुप्त मतदान द्वारा चुनाव होगा। समिति पूर्णरूपेण गठित होने के बाद ही इस प्रकार का चुनाव होना चाहिए।

5.1.1 रा. रे. उ. प. स. के चुनाव तभी होंगे जब प्रत्येक म.रे.उ.प.स. से चुनाव द्वारा अपना एक–एक प्रतिनिधि क्षे. रे. उ. प. स. में भेज दिया गया हो।

5.2 पैरा 2.7.2 में वर्गीकृत गैर–सरकारी सदस्य ही रा. रे. उ. प. स. एवं उप रे. उ. प. स. में प्रतिनिधित्व करने के लिए क्षे. रे. उ. प. स. के चुनाव में खड.ा होंगे।

5.2.1 केवल गैर–सरकारी सदस्य ही उपर्युक्त उद्देश्य के लिए मतदान के योग्य होंगे।

5.2.2 अन्य सदस्यों द्वारा विधिवत् प्रस्तावित एवं अनुशंसित इच्छुक सदस्य द्वारा ही रा.रे. उ.प.स. के लिए चुने जाने हेतु नामांकन पत्र भरे जायेंगे।

5.2.3 कोई भी सदस्य, जो स्वयं चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हो, इसी उद्देश्य के लिए किसी एक दूसरे सदस्य का प्रस्ताव/अनुशंसा कर सकता है।

5.2.4 प्रकिया संबंधी हुई त्रुटि जैसा कि पैरा 5.2.2 एवं 5.2.3 में उल्लिखित है, यदि नामांकन पत्र जाँच करते समय पता चलता है तो नामांकन रद्द माना जायेगा।

5.3.1 माननीय संसद सदस्य, विभिन्न राज्यों के माननीय विधान सभा सदस्य जो किसी रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शकर्ता समिति यथा क्षे.र.उ.प.रा. एवं एन.आर.यू.सी.सी. में चुने जाने के हकदार नहीं होंगे, जिसमें उनके सीधे नामांकन के लिए पहले से ही प्रावधान है।

5.4 इस उद्देश्य के लिए चुनाव संपन्न कराने हेतू अध्यक्ष, पहले ही पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करेगा। यदि आवश्यक हुआ तो अध्यक्ष पीठासीन अधिकारी की सहायता के लिए किसी एक अधिकारी को भी नियुक्त करेगें।

5.4!1 मतदान का परिणाम अनिर्णित रहने पर समिति के अध्यक्ष चुनाव को निर्णायक बनाने के लिए अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं।

6.0 परिचय पत्र :

6.1 परिचय पत्र जारी करने के लिए सभी सदस्यों द्वारा दो स्टाम्प साइज फोटोग्राफ जमा किया जाना चाहिए।

6.1.1 सदस्यों को जारी किया गया परिचय पत्र निःशुल्क रेलवे पास के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।

6.2 परिचय पत्र के खो जाने पर क्षे.रे.उ.प.स. के सदस्यों द्वारा प्राथमिक सूचना रपट (एफ.आई.आर.) की एक प्रति के साथ इस संबंध में आवेदन दिया जाना चाहिए। रेलवे उन्हें एक नया परिचय पत्र जारी करेगी जिस पर डुपलीकेट अंकित होगा।

6.3 सदस्यता की अवधि समाप्त हो जाने पर सदस्यों को अपना परिचय पत्र निर्गमण प्राधिकारी के पास जमा कर देना चाहिए। यदि कार्य अवधि के पहले ही समिति को सक्षम प्राधिकारी द्वारा भंग कर दी जाती है तो भी सदस्यों को अपने परिचय पत्र निर्गमण प्राधिकारी के पास जमा कर देना चाहिए।

7.0 परिचालित दौरा (कंडक्टेड टूर) :–

7.1 जब कभी भी रेलवे द्वारा परिचालित दौरा (कंडक्टेड टूर) का आयोजन किया जायेगा केवल गैर–सरकारी सदस्य ही उसमें भाग लेने के योग्य हैं।

7.2 अत्यावश्यक समझे जाने पर विश्रामगृह/विश्रामागार की व्यवस्था परिचालित दौरा (कंडक्टेड टूर) के समय निःशुल्क की जाएगी।

7.3 यदि पर्याप्त संख्या में सदस्य यात्रा में सहभागी बनने के लिए अपनी पूर्व सहमति दे देने के बाद नहीं आते हैं तो सदस्यों की उपस्थिति के आकार को देखते हुए यात्रा की तिथि के दिन यात्रा को रद्द कर देने का अधिकार रेलवे प्रशासन के पास सुरक्षित है ताकि व्यर्थ व्यय से बचा जा सके। स्थगन के निर्णय पर विचार–विमर्श अगली बैठक में की जानी चाहिए।

8.0 बैठक के समय सदस्यों के लिए सामान्य सुविधाएँ :

8.1 बैठक में उपस्थित होने के लिए बुलाए गए दूरवर्ती सदस्यों के लिए सिर्फ तीन दिनों के लिए ही (बैठक के पहले दिन, बैठक का दिन तथा बैठक के बाद का दिन) बैठक–स्थल के निकटतम स्टेशन पर रेलवे रिटारिंग रूमो/विश्रामगृहों में निःशुल्क रहने की व्यवस्था की जाएगी तथा रहने की व्यवस्था में किसी प्रकार की बढ़ोत्तरी स्वीकार नहीं की जायेगी, तथा रेल प्रशासन द्वारा जगह की अनुपलब्धता की स्थिति में उपयुक्त/उपलब्ध होटलों में की जायेगी।

8.2 बैठक में उपस्थित होने के लिये आये सदस्यगण, विश्रामगृह/रिटायरिंग कक्षों/होटलों में ठहरने के दौरान खान–पान सेवाओं का लाभ केवल स्वयं भुगतान करके ही उठा सकते हैं।

8.3 सदस्यों के लिए ठहरने के स्थान से बैठक–स्थल तक आने एवं जाने के लिए निःशुल्क परिवहन की व्यवस्था की जा सकती है।

9.0 यातायात सुविधाएँ :

9.1 गैर–सरकारी सदस्यों के लिए :

9.1.1 बैठक में उपस्थित होने के लिए बुलाए जाने पर गैर–सरकारी सदस्यों को अपने गृह–स्थान (होम स्टेशन) से सिर्फ बैठक–स्थल तक पहुँचने तथा वापसी की यात्रा के लिए निःशुल्क प्रथम श्रेणी/।। वातानुकूलित दर्जे (राजधानी एवं शताब्दी गाड़ियों को छोड़कर) के पास जारी किये जाएँगे।

9.1.2 प्रथम श्रेणी/।। वातानुकूलित श्रेणी के लिए जारी इस तरह के पास पर एक परिचायक को द्वितीय श्रेणी/शयनयान में ले जाने की सुविधा होगी।

9.1.3 यदि कोई सदस्य प्रथम वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करना चाहें तो उन्हें जैसा देय होगा, भाड़े का अन्तर देना होगा (राजधानी/शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों के किसी श्रेणी को छोड़कर)।

9.1.4 पहले से विद्यमान पास–नियम के अंतर्गत किए गए प्रावधान के अनुसार मार्गस्थ यात्रा भंग करने की अनुमति है। इस उद्देश्य के लिए कोई भी अतिरिक्त यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा।

9.1.5 उन स्थानों के लिए जो रेल–हेड से जुड़े हो, विमान यात्रा अनुमेय नहीं है। उन स्थानों के लिए जो रेल–हेड से जुड़े न हों, सदस्य के निवास से निकटतम हवाई अड्डे से निकटतम रेल–हेड तक विमान यात्रा की अनुमति दी जा सकती है। फिर भी, यदि निकटतम हवाई अड्डे से निकटतम रेल–हेड तक का हवाई किराया और निकटतम रेल–हेड से बैठक स्थल के बीच के रेल किराए (2 वाता.) का कुल योग निवास स्थान के निकटतम हवाई अड्डे से बैठक स्थल के निकटतम हवाई अड्डे तक के कुल हवाई किराये से अधिक हो, तो सदस्य के निवास के निकटतम हवाई अड्डे से बैठक स्थल तक हवाई किराये की अनुमति दी जा सकती है।

9.1.6 यदि कोई सदस्य वैसे स्थान पर रह रहे हों जो रेल–हेड से नहीं जुड़ा हो और निकटतम रेल–हेड तक समुद्री मार्ग के साथ ही हवाई मार्ग से भी पहुँचा जा सकता हो तब सदस्य को परिवहन के वैसे साधन से यात्रा करने की अनुमति होगी जिसका किराया कम हो।

9.1.7 रेलवे स्थापना (इस्टेबिलिशमेंट) के निरीक्षण के लिए क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों को कोई अतिरिक्त पास नहीं जारी किया जाएगा।

9.2 <u>सरकारी सदस्यों के लिए</u> :

9.2.1 सिर्फ बैठक–स्थल तक पहुँचने तथा वापसी हेतु राज्य सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/उद्योगों के प्रधान कार्यालयों से सरकारी सदस्यों के लिए निःशुल्क प्रथम श्रेणी/द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के पास जारी किए जा सकते हैं।

9.3। <u>राज्य विधानसभा के सदस्यों के लिए</u> :

9.3.1 अपने गृह स्थान (होम स्टेशन) से बैठक स्थल तक यात्रा करने हेतु विधान सभा/विधान परिषद् के सदस्यों के लिए निःशुल्क प्रथम श्रेणी/द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के लिए पास जारी किए जा सकते हैं।

9.4 <u>संसद सदस्यों के लिए</u> :

9.4.1 एक संसद सदस्य/सदस्या अपने लिए जारी पहचान कार्ड–सह रेलवे पास का उपयोग कर साधारणतः रेल द्वारा ही यात्रा करेंगे/करेंगी। वे अपनी मर्जी से विमान द्वारा भी यात्रा कर सकते/सकती हैं। फिर भी, सामान्य रूप से विमान यात्रा का आश्रय नहीं लिया जाना चाहिए तथा इस तरह की यात्रा करने के लिए कारकों यथा–कार्य की अत्यावश्यकता यात्रा की जाने वाली दूरी, अपने कार्य–निष्पादन के लिए समय इत्यादि का ध्यान सदस्य/सदस्या को रखनी चाहिए तथा जहाँ विमानों में दो श्रेणियों यथा–प्रथम एवं मितव्ययी (पर्यटक) श्रेणी, उपलब्ध हों, एक संसद सदस्य/सदस्या प्रथम श्रेणी में यात्रा कर सकते/सकती हैं।

9.4.2 संसद सदस्य/सदस्या के लिए सामान्यतः कोई पास जारी करने की आवश्यकता नहीं पड.ती है, क्योंकि उन्हें पहचान कार्ड–सह–रेलवे पास दिया गया है फिर भी उनकी ओर से समिति या उसकी उप समिति में भाग लेने हेतु प्रथम श्रेणी मानार्थ पास जारी करने के विशेष अनुरोध पर ऐसा किया जा सकता है, यदि पहचान कार्ड–सह–रेलवे पास खो जाने की सूचना दी गई हो।

9.4.3 जहाँ कोई सदस्य संसद के सदन के सत्र अथवा किसी समिति की बैठक में भाग लेने के उद्देश्य से अथवा सदस्य के रूप में अपने ड्यूटी से संबद्ध किसी अन्य कार्य करने के उद्देश्य से अपने सामान्य निवास स्थान से भिन्न किसी स्थान से अथवा ऐसे स्थान तक वापसी यात्रा करता है, तो वह की गई वास्तविक यात्रा अथवा अपने सामान्य निवास स्थान से या तक यात्रा, जो भी कम हो, के लिए यात्रा भत्ता आहरित कर सकता है।

9.5 <u>परिचर की परिभाषा</u> :

9.5.1 'परिचर' शब्द की परिभाषा यह है कि एक व्यक्ति जो पास धारक की व्यक्तिगत सेवा में वेतन पर नियोजित किया गया हो। इसमें पूरे समय वाले घरेलू कर्मचारी शामिल हैं यथा – बेयरा, खनसामॉ (बटलर), रसोइया, आया इत्यादि। लेकिन इसमें शिक्षक, दर्जी, धोबी इत्यादि या पास धारक का कोई संबंधी, जो नौकर की तरह कार्य कर रहा हो, शामिल नहीं है।

और राज्य विधायिका के सत्र के दौरान वे अपने संबंधित वेतन और भत्ता भुगतान तथा रिमुवल ऑफ सिक्वालिफिकेशन अधिनियम के अंतर्गत निर्देशित होंगे। फिर भी इन सदस्यों को उनके निवास स्थान के निकटतम स्टेशन से बैठक स्थल पर आने एवं वापसी यात्रा हेतु प्रथम श्रेणी पास जारी किया जा सकता है। यदि विधायिका के सदस्य ऐसा अनुरोध करते हैं तो संबंधित उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक स्थल से उस शहर के स्टेशन तक जहाँ विधान सभा स्थित है, की वापसी यात्रा हेतु भी पास जारी किया जा सकता है। राज्य विधायिका के सदस्य यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता (सुविधा भत्ता सहित) की निकासी नहीं करेंगे, जो उन्हें राज्य विधायिका के सदस्य के अयोग्य बना सकता है।

10.3.2 किसी भी ऐसे दिन के लिए जिसके लिए सदस्य, विधान सभा सदस्य/विधान परिषद् सदस्य के रूप में अपने दैनिक भत्ता के हकदार हैं, दैनिक भत्ता देय नहीं होगा।

10.3.2.1 बैठक के स्थान एवं उनके निवास स्थान के निकटस्थ रेलवे स्टेशन के बीच और उसी प्रकार दूसरी ओर से वापसी के तहत यात्रा में लगे दिनों की संख्या की गणना यात्रा भत्ता के रूप में की जाएगी तथा सदस्य द्वारा किये गये वास्तविक व्यय की प्राप्ति तक वापसी सीमित होगी। इस उद्देश्य के लिए सदस्य के दावे के साथ निम्नलिखित के संबंध में एक समुचित प्रमाण पत्र संलग्न होगा :

"प्रमाणित किया जाता है कि क्षे.रे.उ.प.स. के सदस्य के रूप में कर्तव्य निर्वाह में मेरे द्वारा किया गया वास्तविक व्यय जिसके लिए यात्रा भत्ता/परिवर्तन भत्ता का इस बिल में दावा किया गया है, वह दावा की गयी राशि से कम नहीं था।"

सदस्य विधान सभा/सदस्य विधान परिषद् का हस्ताक्षर

10.4 <u>संसद सदस्य</u> :

10.4.1 संसद सदस्य के पक्ष में निर्गत किया गया पहचान–पत्र–सह–रेलवे पास का उपयोग कर वे रेल द्वारा साधारणतया यात्रा करेंगे। वे अपने विवेकानुसार वायुयान द्वारा भी यात्रा कर सकते हैं। यदि वायुयान द्वारा यात्रा किया जाता है, तो आउट ऑफ पाकेट खर्च स्वरूप ऐसी यात्रा हेतु वायुयान भाड़ा का एक एवं एक चौथाई के बराबर की राशि के लिए सदस्य हकदार होंगे।

10.4.2 समिति की बैठक में सम्मिलित होने के लिए संसद सदस्य रेल की अपेक्षा सड़क द्वारा भी यात्रा कर सकते हैं। ऐसे मामले में संसद सदस्य 8.00 रू0 प्रति कि. मी. की दर से रोड मील–भत्ता प्राप्त करने के हकदार हैं। यात्रा भत्ता की जगह जो उनको स्वीकार्य रहा हो यदि वे रेल द्वारा यात्रा करते, बशर्ते कि सम्पूर्ण यात्रा के लिए ऐसे सदस्य द्वारा लिये गये यात्रा भत्ता की कुल राशि से उक्त राशि अधिक नहीं होगी जो उनके लिए स्वीकार्य रहा होगा, अगर वे रेल द्वारा यात्रा कर चुके होते।

10.4.3 यदि संसद सदस्य रेल द्वारा यात्रा करते हैं तो बैठक का स्थान एवं निवास स्थान से आउट ऑफ पाकेट खर्च के रूप में इकहरी द्वितीय श्रेणी भाड़ा और इकहरी यात्रा प्रथम श्रेणी भाड़ा के बराबर की राशि यात्रा भत्ता स्वरूप भुगतान किया जाना चाहिए बिना इस बात पर ध्यान दिए कि सदस्य ने किस श्रेणी में यात्रा की।

10.4.4 बैठक की अवधि के दौरान रू0 500/– प्रति दिन की दर से दैनिक भत्ता।

9.0 यात्रा सुविधाएँ :

9.6.1 समिति की बैठकों में भाग लेने या समिति के अन्य कार्य के लिए सदस्यों को अस्थायी निवास के निकटतम रेलवे स्टेशन से पास जारी करने हेतु उनके अनुरोध को गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जा सकता है तथा महाप्रबंधक के व्यक्तिगत अनुमोदन से पास जारी की जा सकती है, बशर्ते कि अस्थायी निवास स्थल तथा बैठक स्थल के नीचे की दूरी स्थायी निवास स्थल तथा बैठक स्थल के बीच की दूरी से कम हो।

9.6.2 निवास स्थान के अतिरिक्त भी किसी स्टेशन तक वापसी यात्रा के लिए पास जारी की जा सकती है, बशर्ते कि बहिर्यात्रा के लिए जारी पास के स्टेशन की दूरी से वह दूरी (वापसी यात्रा की) कम हो।

10.0 यात्रा एवं दैनिक भत्ते :

10.1 गैर–सरकारी सदस्यगण :

10.1.1 सदस्य के निवास स्थल के निकटतम रेलवे स्टेशन तथा बैठक स्थल के बीच तथा उसके विपरीत क्रम में यात्रा करने में लगे कोई भी कैलेण्डर दिन या एक से अधिक दिन के लिए पाकेट खर्च में से बैठक की अवधि के दौरान प्रतिदिन रू0 120/– की दर से दैनिक भत्ता तथा रू0 50/– प्रतिदिन के हिसाब से यात्रा भत्ता दिया जाएगा। पाकेट भत्ता में से रू0 50/– उस दिन या उन दिनों के लिए नहीं दिया जाएगा जिस दिन के लिए रू0 120/– के रूप में दैनिक भत्ता देय है।

10.1.2 यदि निकटतम रेलवे स्टेशन से निवास स्थान की दूरी 8 किमी. से अधिक है, तो प्रति किमी. 4/– (चार रूपये) अधिकतम के हिसाब से निवास स्थान तथा रेलवे स्टेशन के बीच की यात्रा के लिए वास्तविक पाकेट खर्च के रूप में दिया जायेगा।

10.1.3 शहर जिसमें बैठक हो रही है, के किसी कोने में रहने वाले क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के स्थानीय गैर–सरकारी सदस्य "ए" एवं "बी" श्रेणी के शहर के लिए वास्तविक वाहन किरांया प्रभार अथवा 100/– रू0 प्रतिदिन जो भी कम हो, एवं अन्य "सी" श्रेणी के शहरों के लिए वास्तविक वाहन प्रभार अथवा 75/– रू0 प्रतिदिन जो भी कम हो, भुगतान के पात्र होंगे। तथापि, उन्हें कोई दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा।

10.2 सरकारी सदस्य :

10.2.1 समिति के सरकारी सदस्य पैरा 10.1.1 एवं 10.1.2 में वर्णित भत्तों के हकदार नहीं होंगे। इस सदस्यों को यात्रा भत्ता उनके अपने नियमों के अनुसार दिया जाएगा और उनके संबंधित विभागों/संगठनों द्वारा वहन किया जायेगा।

10.3. विधान सभा सदस्यों/विधान परिषद सदस्यों :

10.3.1 क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति में नामित राज्य विधायिका के सदस्यों को यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता (सुविधा भत्ता सहित) संबंधित राज्य सरकार के यात्रा भत्ता नियम के अंतर्गत दिया जाएगा और राज्य विधायिका माना जाएगा

10.4.5 बैठक के दिन/दिनों में इस दैनिक भत्ता के अतिरिक्त, सदस्य बैठक को कार्यवाही के दो दिन पूर्व और बैठक समापन के दो दिन बाद हेतु दैनिक भत्ता के लिए हकदार होंगे, यदि वे इन दिनों में बैठक के स्थान पर वास्तव में ठहरते हैं।

10.4.6 किसी भी ऐसे दिन के लिए दैनिक भत्ता का भुगतान देय नहीं है जिस दिन संसद सदस्य एक संसद सदस्य के रूप में अपना दैनिक भत्ता पाने के हकदार है।

(ए) यदि यात्रा हवाई मार्ग से की जाती है तो प्रत्येक ऐसी यात्रा के लिए हवाई यात्रा भाड़े के 1¼ के बराबर धनराशि।

(बी) यदि यात्रा या उसका कोई भाग रेल या हवाई मार्ग से नहीं की जा सकती हो।

(I) जहाँ यात्रा या उसका कोई भाग स्टीमर से किया जाए तो स्टीमर में उच्चतम श्रेणी की ऐसी प्रत्येक यात्रा या उसके किसी भाग के लिए भाड़े के (आहार रहित) 1–3/5 के बराबर की धनराशि अथवा यदि नियमित स्टीमर सेवा विद्यमान न हो तो ऐसी यात्रा अथवा उसके किसी भाग के लिए ऐसी धनराशि जैसा कि संसद अधिनियम, 1945 के वेतन, भत्ते और पेंशन की धारा 9 के अधीन बनाए गए नियमों में निर्धारित हो।

(II) जहाँ यात्रा या उसका कोई भाग सड़क मार्ग से किया जाए तो ऐसी यात्रा या उसके किसी भाग के लिए 8 रू. (आठ रूपये मात्र) प्रति किलोमीटर की दर से रोड माइलेज (सड़क मील भत्ता)

(III) आगे पुनः यह कि जब कोई सदस्य दिल्ली में सड़क मार्ग से हवाई अड्डे से और हवाई अड्डे तक यात्रा करता है तो ऐसी प्रत्येक यात्रा के लिए न्यूनतम रू. 120/– (एक सौ बीस रूपये मात्र) भुगतान किया जाएगा।

10.4.7 आउट ऑफ पाकेट भत्ता (यथा बैठक स्थल एवं अपने निवास स्थान से निकटस्थ रेल स्टेशन एवं उसी प्रकार वापसी के बीच इकहरी प्रथम श्रेणी भाड़ा और इकहरी द्वितीय श्रेणी भाड़ा के समतुल्य राशि) संसद सदस्य द्वारा की गयी वास्तविक खर्च की पूर्ति तक सीमित होगी। इस उद्देश्य हेतु संसद सदस्य के दावे में निम्नलिखित समुचित प्रमाण पत्र संलग्न होगा।

"प्रमाणित किया जाता है कि क्षे. रे. उ. प. स. के सदस्य के रूप में कर्तव्य निर्वाह में मेरे द्वारा किया गया वास्तविक व्यय जिसके लिए यात्रा भत्ता/परिवर्तन भत्ता का इस बिल में दावा किया गया है, वह दावा की गयी राशि से कम नहीं था।"

संसद सदस्य का हस्ताक्षर

10.4.8 उपर्युक्त नियमों के तहत जहाँ वास्तविक खर्च की राशि उच्चतम देय राशि की अपेक्षा कम हो तो भत्ते की राशि को वास्तविक खर्च की राशि तक कम कर दी जाय जिसे पैरा 10.4.7 में उल्लेख के अनुसार प्रमाणित किया जा सकता है।

10.4.9 संसद सदस्य तथा राज्य विधान सभा के सदस्य इस समिति की बैठक आदि के संबंध में उनके द्वारा वास्तविक रूप में की गयी यात्राओं के लिए यात्रा भत्ता के पात्र हैं।

10.4.9.1 संसद के प्रत्येक सदस्य को संसद के सदन के सत्र में भाग लेने के उद्देश्य से अथवा किसी समिति की बैठक अथवा सदस्य के रूप में अपनी ड्यूटी से संबद्ध किसी अन्य कार्य को करने के लिए भारत में उनके द्वारा की गयी प्रत्येक यात्रा के लिए उनके सामान्य निवास स्थान से उस स्थान तक, जहाँ अथवा बैठक आयोजित होनी है अथवा अन्य कार्य सम्पादित किए जाने हैं और ऐसे स्थान से सामान्य निवास तक वापसी यात्रा के लिए भुगतान किया जाएगा।

10.4.5.2 समिति की बैठक आदि के स्थान तक संसद/राज्य विधान मंडल की बैठक के स्थान से और वापसी यात्रा हेतु, यदि संसद/राज्य विधान मंडल के सत्र में भाग लेने के समय वहाँ से बैठक में जाने और वहाँ से वापसी यात्रा की जाए।

11.0 अनुपालन के लिए मार्गदर्शन :

11.1 अधिसूचित गैर–सरकारी समितियों के सदस्यों के पदनाम जो उनके पत्र शीर्ष लेटर हेड/विजिटिंग कार्ड आदि पर मुद्रित हों वे पूरी तरह से उनके नामांकन पत्र के अनुसार होने चाहिए।

11.2 उन्हें अपने पत्र शीर्ष (लेटर हेड) स्टैट्स, क्रेस्ट्स, बैजें, हाउस फ्लैग या अन्य उद्देश्य हेतु सरकारी अनुमति के बिना सरकारी प्रतीकों के उपयोग की अनुमति नहीं है।

12.0 सदस्यता का निरस्तीकरण :

12.1 इस आशय की सूचना मिलने पर कि किसी सदस्य/सदस्यों के खिलाफ न्यायालय में आपराधिक कार्यवाही प्रारंभ की गई है या कोई सदस्य आपराधिक कार्यवाही में विधि न्यायालय के द्वारा दोषी ठहराया गया हो, तो ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों की सदस्यता सक्षम प्राधिकारी की अनुमति प्राप्त करके निरस्त कर दी जाएगी।

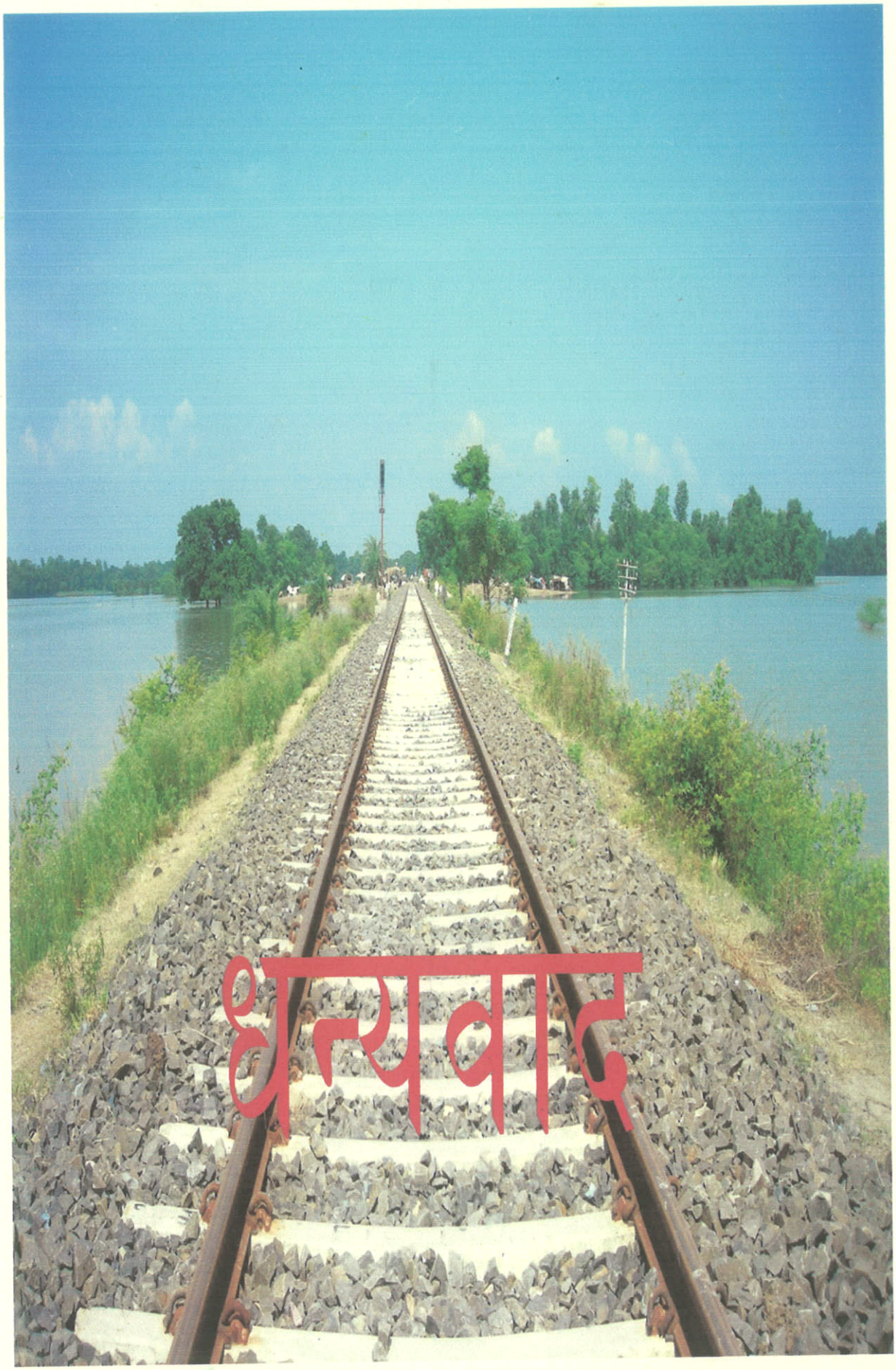
12.2 सदस्य/सदस्यों की ओर से की गई कोई कार्रवाई रेलवे के हित में नुकसान देय पायी जाने पर उनकी सदस्यता/सदस्यताएँ सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से जप्त कर ली जाएगी।

13.0 माननीय संसद सदस्यों/विधायकों/विधान परिषद के सदस्यों की सदस्यता की समाप्ति।

13.1 वैसे माननीय सांसद/विधायक/विधान परिषद सदस्य जो जेड.आर.यू.सी.सी. समिति के अवधि के पहले ही संसद सदस्य/विधान सभा/विधान परिषद के सदस्य नहीं रह जाएंगे। उनकी सदस्यता समाप्त हो जायगी।

* * * * *


पूर्व मध्य रेल का संक्षिप्त मानचित्र
NETWORK PLAN
OF
EAST CENTRAL RAILWAY
CORRECTED UPTO 31st MARCH ' 2011
NEPAL
BIHAR
UTTAR PRADESH
JHARKHAND
WEST BENGAL
CHHATISGARH
MP
BANGLADESH
GUAGE CONVERSION from MG to BG
DOUBLING IN PROGRESS
MEGA BRIDGES IN PROGRESS
RIVER
MODEL STATIONS
DIVISIONAL BORDER
IMPORTANT STATIONS AND JUNCTIONS
RAILWAY DIVISIONAL HEADQUARTERS
RAILWAY ZONAL HEADQUARTERS
BROAD GAUGE SINGLE LINE
BROAD GAUGE DOUBLE LINE
BROAD GAUGE MULTIPLE LINE
METRE GAUGE SINGLE LINE
DISTRICT BOUNDARIES
STATE BOUNDARIES
INTERNATIONAL BOUNDARY
OTHER RAILWAY
ELECTRIFIED LINE SINGLE, DOUBLE B.G.
UNDER CONSTRUCTION BROAD GAUGE SINGLE LINE


श्रद्धांजलि